सौर ऊर्जा के क्षेत्र में इन्क्यूबेशन सेन्टर के लिये करार

चमकता राजस्थान

चित्तौड़गढ़/गंगरार (अमित कुमार चेचानी)। मेवाड़ विश्वविद्यालय तथा एनर्जी स्वराज फाउन्डेशन के मध्य सौर ऊर्जा के क्षेत्र में संयुक्त प्रयासों के लिये इन्क्यूबेशन सेन्टर

बनाने के अनुबन्ध पर हस्ताक्षर किये गये। इस करार का मुख्य उद्देश्य मेवाड़ विश्वविद्यालय के छात्रों तथा क्षेत्र के नागरिकों को सौर ऊर्जा के क्षेत्र में जागरूक और प्रशिक्षित करना है। आज जब भारत हरित ऊर्जा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। तब उसके उत्पादन, संरक्षण, प्रबन्धन तथा रख-रखाव के लिये प्रशिक्षित कामगारों तथा उद्यमियों की आवश्यकता है। इसी को ध्यान में रखते हुऐ यह करार किया गया है। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेन्ट विभाग के डायरेक्टर श्री हरिश गुरनानी के द्वारा सोलर के क्षेत्र में स्किल डवलेमेन्ट की महत्ता पर प्रकाश डाला गया।

सौर ऊर्जा के क्षेत्र में इन्क्यूबेशन सेन्टर के लिये करार

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़/गंगरार। मेवाड़ विश्वविद्यालय तथा एनर्जी स्वराज फाउन्डेशन के मध्य सौर ऊर्जा के क्षेत्र में संयुक्त प्रयासों के लिये इन्क्यूबेशन सेन्टर बनाने के अनुबन्ध पर हस्ताक्षर किये गये। इस करार का मुख्य उद्देश्य मेवाड़ विश्वविद्यालय के छात्रों तथा क्षेत्र के नागरिकों को सौर ऊर्जा के क्षेत्र में जागरूक और प्रशिक्षित करना है। आज जब भारत हरित ऊर्जा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। तब उसके उत्पादन, संरक्षण, प्रबन्धन तथा रख-रखाव के लिये प्रशिक्षित कामगारों तथा उद्यमियों की आवश्यकता है। इसी को ध्यान में रखते हुऐ यह करार किया गया है। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेन्ट विभाग के डायरेक्टर श्री हरिश गुरनानी के द्वारा सोलर के क्षेत्र में स्किल डवलेमेन्ट की महत्ता पर प्रकाश डाला गया। एनर्जी स्वराज फाउन्डेशन की सीईओ स्वाति कलवार ने मेवाड़ विश्वविद्यालय के इस कदम की सराहना की और इसे एनर्जी से स्वराज प्राप्ति की दिशा में मेवाड़ क्षेत्र के लिये एक अभूतपूर्व कदम बताया। इस फाउन्डेशन की स्थापना प्रोफेसर चेतन सिंह सोलंकी, आईआईटी मुम्बई के द्वारा की गई और वर्तमान में वे 11 वर्ष के लिये एनर्जी स्वराज यात्रा पर निकले हुऐ है। यह यात्रा नवम्बर 2020 में मध्यप्रदेश से प्रारम्भ होकर राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र एवं तेलंगाना में होते हुए निरन्तर गतिमान है ताकि लोगों को सौर ऊर्जा के उपयोग के लिये प्रेरित किया जा सके। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. के.एस. राणा, रजिस्ट्रार बी.एल. स्वर्णकार, डीन एकेडमिक डी.के. शर्मा, डिप्टी रजिस्ट्रार दीप्ती शास्त्री, डिप्टी डीन इंजीनियरिंग कपिल नाहर तथा आईक्यूएसी संयोजक जितेन्द्र वासवानी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एनर्जी स्वराज फाउन्डेशन की ओर से निकिता अरोड़ा द्वारा किया गया।

सौर ऊर्जा के क्षेत्र में इन्क्यूबेशन सेन्टर के लिये करार

गंगरार, 24 फरवरी (जसं)। मेवाड़ विश्वविद्यालय तथा एनर्जी स्वराज फाउन्डेशन के मध्य सौर ऊर्जा के क्षेत्र में संयुक्त प्रयासों के लिये इन्क्यूबेशन सेन्टर बनाने के अनुबन्ध पर हस्ताक्षर किये गये।

इस करार का मुख्य उद्देश्य मेवाड़ विश्वविद्यालय के छात्रों तथा क्षेत्र के नागरिकों को सौर ऊर्जा के क्षेत्र में जागरूक और प्रशिक्षित करना है। आज जब भारत हरित ऊर्जा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है, तब उसके उत्पादन, संरक्षण, प्रबन्धन तथा रख-रखाव के लिये प्रशिक्षित कामगारों तथा उद्यमियों की आवश्यकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह करार किया गया है। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट विभाग के डायरेक्टर हरीश गुरनानी ने सोलर के क्षेत्र में विभिन्न डवलपमेंट की संभावना पर प्रकाश डाला। एनर्जी स्वराज फाउन्डेशन की सीईओ स्वाति कलवार ने विश्वविद्यालय के इस करार की सराहना की और इसे एनर्जी से स्वराज प्राप्ति की दिशा में मेवाड़ क्षेत्र के लिये एक अभूतपूर्व कदम बताया। फाउन्डेशन की स्थापना प्रोफेसर चेतन सिंह सोलंकी, आईआईटी मुम्बई द्वारा की गई और वर्तमान में वे 11 वर्ष के लिये एनर्जी स्वराज यात्रा पर निकले हुए हैं। यह यात्रा नवम्बर 2020 में मध्यप्रदेश से प्रारम्भ होकर राजस्थान, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र एवं तेलंगाना से होते हुए निरन्तर गतिमान है, ताकि लोगों को सौर ऊर्जा के उपयोग के लिये प्रेरित किया जा सके। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. केएस शर्मा, रजिस्ट्रार [illegible] सक्सेना, डीन एकेडमिक्स [illegible], डिप्टी रजिस्ट्रार [illegible], डिप्टी डीन इंजीनियरिंग [illegible] तथा आईक्यूएसी संयोजक जितेन्द्र [illegible] और [illegible] मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन एनर्जी स्वराज फाउन्डेशन की ओर से निकिता ओझा द्वारा किया गया।